

ॐ	ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥	

इति श्री
 नमो
 भगवते वासुदेवाय
 नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हं नमः शीवजसलाया ॥ कर्मचार्य नमिगुचिकयदे नयुधदिगीगलायुजयन ॥
यवगवस्म ॥ ॥ यवद्वारायिनासाडदयगिनिमहायकर्मधरायाफो नानायया
बहुलागमवगमनदेकाकिलानाना दवमोऽशीमानविस्मयसावदुनलदुल
वायवुकर्मकाययकी ॥ कालावीलीसाभामाययानिकेवस्मयवधनार्य नमामु
यं ह्ला मु ॥ ॥ क्रियश्रुगनकलगयुजा ॥ यवमधे जाय धान ॥ सटिनि
वकावर्जयविनर्गनानावनमयंकलगमाकावर्जशुक्रधमादया कवस्मविम

वृत्तद्वयविमिहविष्णुककस्मिकायाचलमलुस उंकावर्जयश्रुग
वर्जयंकलनिवस्मसूयमलपश्रवर्धनमकूटमलुनजटाविठयिग
विचिगवस्मरवलाहवस्मस्ववधर्वमनवयंसिनयीनवकहविनक्तुवहुम
खंश्रुवृत्तुंयधमारुजाह्यामवजवाधुयीमुद्राधर्व ॥ अयवहुजाह्याधनम
दाहनीयहुजाह्याश्रुकमालायकधर्ववहुश्रुजाह्यामववायधर्वगरगवन
उगहुवृववावनीविसायाहृदीजमयूखाकुलीहानाकुलीहानाकुली

वज्रसाधुः ॥ मण्डिनिर्वकावः ॥ न इति विविक्तायुच्युविस्वासाधुः कृतायकमूर्वादिह
जाग्यामवस्त्रं कृतायां वज्रयस्य धृती साधुकावमुद्राकर्णवज्रसाधुविनायः ॥ स हृदि
जमः ॥ या ॥ उं सर्वं नथा ॥ उं वज्रयक हं ॥ य ॥ उं वज्रायाधुसहायं मु ॥ गगरीय
मवस्त्रं साधुकावमुद्रायां रस्य निमूर्खं महानकावज्रसाधुनमाहुः ॥ ३ ॥
सर्वथायजदया ॥ मण्डिनिर्वकावः ॥ न इति विविक्तायुच्युविस्वासाधुः कृतायकमूर्वादिह
सर्वथायजदया ॥ मण्डिनिर्वकावः ॥ न इति विविक्तायुच्युविस्वासाधुः कृतायकमूर्वादिह

निमूर्खायकावमुद्रायां सर्वथायजदया ॥ मण्डिनिर्वकावः ॥ न इति विविक्तायुच्युविस्वासाधुः कृतायकमूर्वादिह
नथागमः ॥ उं वज्रयक हं ॥ य ॥ उं सर्वथायजदया ॥ सर्वथायजदया ॥ य ॥ ला ॥ मु ॥ स
वृथायजदया ॥ मण्डिनिर्वकावः ॥ न इति विविक्तायुच्युविस्वासाधुः कृतायकमूर्वादिह
॥ ॥ सर्वथायकमण्डिनिर्वकावः ॥ मण्डिनिर्वकावः ॥ न इति विविक्तायुच्युविस्वासाधुः कृतायकमूर्वादिह
सर्वथायजदया ॥ मण्डिनिर्वकावः ॥ न इति विविक्तायुच्युविस्वासाधुः कृतायकमूर्वादिह
नथागमः ॥ उं वज्रयक हं ॥ य ॥ उं सर्वथायजदया ॥ सर्वथायजदया ॥ य ॥ ला ॥ मु ॥ स

सर्वरक्षणं न मानिद्या न मनमविवाधिसर्वविनाशः ॥ स्वहृद्विजयः ॥ या ॥ ॐ सर्वगतः ॥ ॐ व
ज्रयक्रुद्धं ॥ या ॥ ॐ सर्वरक्षणं न मानिद्या न मनमविद्धं ॥ यं ला सु ॥ निद्या न मनमिनी नानि
नयनतावनादसु गतिर्नरु न जडाधनं च मा मुन ॥ १ ॥ गता ला स्या ॥ सठिनिर्वका
वर्जं ॥ नद्वयनिविश्या कुरुच्य विभुद्धं का न वं वज्र हयं स ह न ॥ लय यर्क निष
स्मृ स्युता वलमकुटी निविचि नाना वला र व सा सनादि रु उ क मूर्वा सु कवी मूदया ॥
रु आर्या वज्र हयं विन नी वज्र ला ग्या विनाशः ॥ स्वहृद्विजयः ॥ या ॥ ॐ सर्वगतः ॥ ॐ व

सर्वगतः ॥ ॐ वज्रयक्रुद्धं ॥ या ॥ ॐ वज्र ला ग्या ॥ ॐ वं ला सु ॥ वज्र ला ग्या मला
ला ग्या सर्व नी ला य द ग क ॥ सर्व रा व व वे ला ग्या ला ग्या क उ न म्य हं ॥ ६ ॥ ॥ ॥
सठिनिर्वका वर्जं ॥ नद्वयनिविश्या कुरुच्य मलु ल स ल य र्क निख स्मृद्धं का वज्र सूर्य
युर्न नी ल व र्क विचि न सर्व वला व व ध ना दि रु उ क मूर्वा स ल व जी स मन य सु सूरि क
व क व ज्र ध ना वा म या ग ध ला स ल व जी विनाशः ॥ स्वहृद्विजयः ॥ ॐ सर्वगतः ॥ ॐ वज्रयक्रु
द्धं ॥ या ॥ ॐ सर्व व जी हं ॥ यं ला सु ॥ स ल व जी मला म ना नी ला य व स म य ला सा दि

[illegible][illegible]

रुद्रकीलहलनखप्रध्वं वामरुद्रनयप्रध्वनगमविहावा ४ ह्रद्विजम
उंसर्वगथ ५ ॥ उंवजयकहं ॥ या य ॥ उं गुरुगमाहं रुद्र ॥ य मु ॥ गुरुचन्दीसु
संगजाखप्रायवाधुनामुजीरगुरुगमामहावीचावाधिमहं नमामुने ॥ १२ ॥
वज्रनज ॥ समिधिर्यकावज ५ ॥ गदयविविग्नक वन्दमिधहं कावजं सुखासम
निमनस्ययहावजं नजवकवर्क के मुखदिकु उमु आर्यावजमुडाधुनामवाय
कावकुविनावजं नजं विहावा ४ ह्रद्विज ५ ॥ उंवजयकहं ॥ या य ॥ उंवजं नज
उंस ५

आ ४ ॥ य मु ॥ वजं नजं मलानं जावकवर्क महायहावमाहान्धकावनाग्नं
वजं नजं नमामुने ॥ १३ ॥ यजवत् ॥ सठिगिर्यका ५ ॥ गदयविविग्नक व
न्दमिधहं कावजं वजं यजं नजं निमनस्ययहावजं नजवकवर्क मुखदिकु उमु
आर्यावजमुडाधुनामवाय ४
ह्रद्विजुजमसुर्वीक ५ ॥ उंसर्वगथ ५ ॥ उंवजयकहं ॥ या य ॥ उंवजं नज
वत् ॥ य ला मु ॥ वलावावनहस ३ यीनवर्क यकागनी ५ वलावालाक

एषां शुद्धवज्रवत्तनमात्मनः ॥ १२ ॥

॥ दक्षिणोत्तरायुजयन् ॥ यत्तु न वत्तन ॥ या

मा वागिगन्धमानैरे मन्त्राणि वा लमाय मन्त्र न द्याव द्याव निष्ठिदो न वगन्तमस्य
माना च न गृह्णा य विष्वा य य नाना मी व द्या बो स व ग्ने य य व न द ह गृह्णा सकलं नित्य न
मा दक्षिण ॥ ॥ यत्तु अथ द्याव युजा ला सु ॥ वत्तन मन्त्र व ॥ मटि निर्वका च ॥ न द

व निष्ठि ग्ने य य विष्वा य य नाना मी व द्या बो स व ग्ने य य व न द ह गृह्णा सकलं नित्य न
मा दक्षिण ॥ ॥ यत्तु अथ द्याव युजा ला सु ॥ वत्तन मन्त्र व ॥ मटि निर्वका च ॥ न द

एव सप्तमवधवधवधिविदुः के क मूखी सव्य न व जी कि न वत्तन मन्त्रा गु ल्या धृ त्वा व व दारि
न य क्त्वं न वा म मूखान मूख गन्ता व य नै व उ वत्तनार्थं वत्तन सं व विहा व ह द्दी उ म
युखा ॥ ॐ सर्व न था ॥ ॐ व उ य क दू ॥ या य ॥ ॐ व उ वत्तनार्थं ॥ यत्तु ला सु ॥ व उ वत्तन
मन्त्रा वी व सव्य य का धिय य का धन व नाना य वत्तन गाय न मा मु न ॥ १३ ॥ ॥

व उ या गी म नि निर्व का ॥ न द य वि विष्वा य य नाना मी व द्या बो स व ग्ने य य व न द ह गृह्णा सकलं नित्य न
मा दक्षिण ॥ ॥ यत्तु अथ द्याव युजा ला सु ॥ वत्तन मन्त्र व ॥ मटि निर्वका च ॥ न द

[illegible]

धाग॥३॥ वज्रयज्ञं ॥ या॥ य॥३॥ वज्रकुरुणी ॥ य॥ ला॥ मु॥३॥ वज्रकुरुमहाकुरु सकुरुकुजध
 वली ॥ विनामसि विवकुना नीलवस्त्रं नमो नमः ॥ १० ॥ ॥ वज्रहाम ॥ स॥ स॥ विनि
 र्वाका वज्रं ॥ ग॥ द॥ य॥ वि॥ वि॥ वि॥ य॥ च॥ न॥ द॥ म॥ लु॥ ला॥ य॥ वि॥ द॥ का॥ व॥ ज॥ ३॥ ह॥ सि॥ न॥ द॥ न॥ य॥ कि॥ सी॥ जा॥ नी॥ स॥
 ल॥ य॥ य॥ क॥ नि॥ व॥ र्वा॥ द॥ वि॥ न॥ व॥ र्वा॥ सु॥ य॥ य॥ नी॥ व॥ ह॥ म॥ क॥ टि॥ नी॥ वि॥ वि॥ न॥ व॥ ला॥ म॥ व॥ ध॥ र्वा॥ दि॥ रु॥ अ॥ क॥ मु॥
 र्वा॥ रु॥ जा॥ र्वा॥ द॥ न॥ य॥ कि॥ दा॥ स॥ मू॥ दा॥ ध॥ र्वा॥ व॥ ज॥ दा॥ र्वा॥ वि॥ ना॥ व॥ ॥ ॥ रु॥ रु॥ की॥ ज॥ म॥ य॥ र्वा॥ ॥ ॥ ३॥ स॥ च॥ म॥
 धाग॥३॥ वज्रयज्ञं ॥ या॥ य॥३॥ वज्रहामहाहं हं हं ॥ य॥ मु॥३॥ वज्रहामहाहामहाहामहि

मण्डुकमुदकिनी ॥ मण्डुकमुदकी महासुता वज्रदास नमोस्तुते ॥ १६ ॥ ॥ गगन
३३ ॥ मण्डिकिर्वकावर्ज ॥ गद्यविविधक वन्द्यविश्वद्वंकावजा नमदासननिषर्त्तया
नवर्त्तसूर्ययुर्गजठामकु नमस्तु न विचिन्तयन्नाह वत्स मवधर्व द्विजु अक मूर्खदक्षिण
लकु अयथायवियुक्तक वामनक मस्तु धर्व काष्ठ नमूर्गगगल गगु विगावा ॥ लकु द्वि
जमयुखा ॥ ॐ सच्चिन्मथाग ॥ ॐ वज्रयककद्वं ॥ या य ॥ ॐ गगल गगु प्रयद्वं ॥ यील
मु ॥ यीनवर्त्त सदागजा जठामकु नमस्तु गावाधिसखा स दानन्दागगल गगु नम

मुन ॥ १७ ॥ हानककु ॥ मण्डिकिर्वकावर्ज ॥ गद्यविविधक वन्द्यविश्वद्वंकावर्ज
नसखासननिषर्त्तनीलवर्त्तसूर्ययुर्गजठामकु नमस्तु न विचिन्तयन्नाह वत्स मवधर्व
द्विजु अक मूर्खदक्षिण लकु द्विजमयुखा ॥ लकु द्विजमयुखा ॥ ॐ सच्चिन्मथाग ॥ ॐ वज्रयककद्वं ॥ या य
ॐ हानककु द्वं ॥ यील ॥ हानककु महासुता वज्रदास नमोस्तुते सदा
नन्द नीलवर्त्त नमोस्तुते ॥ १८ ॥ ॥ वज्रमाला ॥ मण्डिकिर्वका ॥ ॥

२६ नमोऽस्ति काय॥ अखल लामललाका न्वाय दंतव नाच न तस्य दं दडि
तं अन्तर्माऽस्ति गुणव नमः॥ गुणव दंतव नाच न तस्य दं दडि

हिमहावलिप्रतिगच्छ गच्छ दह दह ययय यखखखहिखाहि त्रु ३३ ३३ विष्णु रं च व न
य ल वलिप्रतिगच्छ गच्छ द्दी रुद साहा ॥ धृति कलि विम वि वि ॥ सा न ल व न स का स ख ग
रं ता क वि दू कं न का स न पि स हा द वी उ ग च ल न स म न ॥ म न य क म य हा द उ ॥ धृ त ड ग च ल
य उ ॥ स ख या गं च तं व उ उ य मा ला कं वि दू कं उ क्ता त्मा बा ह य द वी ध्यान दृष्ट न स म न ॥
ॐ श्री ह्रीं ४ य या ग स वि द्या ना म य ह्रीं रु द सा हा ॥ न न य न स न ॥ ॐ उ व क्ता य ली व क्ता
उ व म न उ व न न ॥ श्री ह्रीं रु द सा हा ॥ सा न ता न ॥ ॐ रु द उ क्ता य ली न म ४ सा हा ॥ आ क ह

नमस्तु ॐ हं वज्रवल्गुनमस्तु ४ साहास्रं नमस्तु ॥ वलि विमा ॐ हं श्री नी त्रिभुवनं कां हं द्या
दि ॥ प्रज्ञायती कर्षयिता रा ॥ ओं का न विजसं हव नसाय विदु पाठ कु नमस्तु नं सवा
ह नि ॥ यत्कु पसा न पुजा ॥ धनं प्रज्ञा नी पुजा ॥ मभय कया लक मर्क न जल गि तिः
मनत्रुजा न्या वा ह देवी ॥ ध्यानवर्ष नमस्तु न ॥ ध्या न ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ का न गि नि वि द्य न
डा य हं रुद्र साहा ॥ श्रुवा नमस्तु ॥ क रूडा नी नूड लाक अवग न भ्रम न नं ॐ हं रुद्र
साहा ॥ सा न ता न ॥ ॐ रुद्र रूडा नी नमस्तु ४ साहा ॥ आवाहनमस्तु ॥ ॐ हं रुद्र वल्गु नमस्तु ४ साहा ॥ म
नुस्तु ॥ वलि विमा ॐ हं श्री नी त्रिभुवनं कां हं द्या दि ॥ नूड निरु न ज्ञा न रा क का न विजसं रा

नानसाय विदु पाठ कु नमस्तु न वष वरु नी ॥ रु नि ॥ नूडाय ती पुजा ॥ ॥ विदु कं शकि हस्त वज्र
पक्रिजय मलि ती न कु मा र्या वरु म देवी ॥ ध्यानवर्ष नमस्तु न ॥ ध्या न ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ अवहस्त म
विद्यु न ॥ डा य हं रुद्र साहा ॥ श्रुवा नमस्तु ॥ च कु मालि ड मा लाक ॥ अवग न भ्रम न नं ॐ हं रुद्र
साहा ॥ सा न ता न ॥ ॐ रुद्र का म पि नमस्तु ४ साहा ॥ आवाहनमस्तु ॥ ॐ हं नत्र वल्गु नमस्तु ४ साहा ॥ म नमस्तु ॥
वलि विमा ॐ हं श्री नी त्रिभुवनं कां हं द्या दि ॥ का मा नी वक्रि न क्रा ता य का न वी ज सं हव नसाय विदु पाठ कु
नमस्तु न मय नास नि ॥ रु नि ॥ कु मा नि पुजा ॥ डा य व ज्ञा ज वरु य व ज्ञा न मृ न सरु न मथे कु
वा वा ह देवी ॥ ध्यानवर्ष नमस्तु न ॥ ध्या न ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ जय नि वि द्य न डा य हं रुद्र साहा ॥



Handwritten text in a script, possibly Arabic or Persian, located near the large floral medallion.

ASHA ARCHIVES
2049



ASHA ARCHIVES

2049

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॥ गुरुभ्यो नमः ॥
 ॥ सर्वभूतहिते रतः ॥
 ॥ इति श्रीमद्भागवतपुराणे
 ॥ स्कन्धे प्रथमे अर्चनम् ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ ह्रीं क्लीं ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

